13-03-2023

क्रिप्टो पर कसा शिकंजा!

समाचार पत्रों में क्यों?

वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित लेनदेन Crypto Trade अब मनी लॉन्ड्रिंग प्रावधानों के दायरे में आएंगे। एक अधिसूचना में सरकार ने कहा है कि आभासी और डिजिटल संपत्ति से जुड़े लेन-देन में भागीदारी अब Prevention of Money Laundering Act (PMLA) के नियमों के अधीन होगी।

त्वरित मुद्दा?

- सरकार ने डिजिटल संपत्तियों की निगरानी को कड़ा करने के लिए ये कदम उठाया है। भारत के राजपत्र में प्रकाशित विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्रालय ने निवेशकों को आभासी या डिजिटल संपत्ति के लिए की गई किसी भी पेशकश और बिक्री से संबंधित वित्तीय सेवाओं में भागीदारी के लिए चेतावनी दी है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- वित्त के डिजिटल युग में न केवल निवेशकों बल्कि राष्ट्र के हितों की रक्षा के लिये इसका अनुपालन आवश्यक है। इस संबंध में क्रिप्टो उद्योग का महत्त्व बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया भर के नियामक और सरकारें इस तेज़ी से विकसित हो रहे बाज़ार पर अधिक ध्यान दे रही हैं।
- इस उपाय से जाँच एजेंसियों को क्रिप्टो फर्मों के खिलाफ कार्रवाई करने में मदद मिलने की उम्मीद है।
- VDA सेवा प्रदाता/व्यवसाय अब PMLA अधिनियम के तहत 'रिपोर्टिंग संस्था' बन गए हैं और उन्हें अन्य विनियमित संस्थाओं जैसे- बैंकों, प्रतिभूति मध्यस्थों, भुगतान प्रणाली ऑपरेटरों आदि के समान रिपोर्टिंग मानकों एवं केवाईसी मानदंडों का पालन करना होगा।
  - PMLA के अंतर्गत आने वाली गतिविधियां:
    - आभासी डिजिटल संपत्ति (VDAs) और फिएट मुद्राओं (Fait Currencies) के बीच आदान-प्रदान।
    - VDAs के एक या अधिक रूपों के बीच आदान-प्रदान।
    - VDAs का स्थानांतरण।

अन्य प्रमुख तथ्य?

भारत में क्रिप्टो की कानूनी स्थिति

- केंद्रीय बजट 2022-23 में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी हेतु टैक्स की घोषणा की है, लेकिन अभी तक कोई नियम नहीं बनाया गया है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India-RBI) द्वारा अनुशंसित पूर्व निषेध को सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले द्वारा रद्द कर दिया गया था।
- वित्त मंत्री ने जुलाई 2022 में संसद को सूचित किया कि RBI की चिंताओं के जवाब में किसी भी सफल विनियमन या क्रिप्टोकरेंसी के निषेध के लिये "अंतर्राष्ट्रीय सहयोग" आवश्यक होगा।
- अप्रैल 2022 से भारत ने क्रिप्टोकरेंसी से हुए लाभ पर 30% का आयकर लगाया है।
- जुलाई 2022 में क्रिप्टोकरेंसी पर स्रोत पर 1% कर कटौती के नियम लागू हुए।

- VDA या VDAs पर नियंत्रण को सक्षम करने वाले उपकरणों की सुरक्षा या प्रशासन।
- किसी जारीकर्त्ता के VDA की पेशकश और बिक्री से संबंधित वित्तीय सेवाओं में भागीदारी एवं प्रावधान।

- अधिसूचना नए मानदंडों का पालन करने के लिये संस्थाओं को पर्याप्त समय प्रदान नहीं करती है। क्रिप्टो उद्योग भी चिंतित है कि एक केंद्रीय नियामक की अनुपस्थिति में क्रिप्टो संस्थाएं प्रवर्तन निदेशालय (ED) जैसी प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सीधे व्यवहार कर सकती हैं।
- 17 मिलियन उपयोगकर्त्ता फरवरी 2022 में केंद्रीय बजट में कर प्रणाली की घोषणा के बाद से भारतीय VDA उपभोक्ता घरेलू, केंद्रीकृत VDA एक्सचेंजों से विदेशी समकक्षों में स्थानांतरित हो गए हैं।
- भारतीय क्रिप्टो व्यापारियों ने स्थानीय एक्सचेंजों से अंतर्राष्ट्रीय क्रिप्टो प्लेटफॉर्मों पर ट्रेडिंग वॉल्यूम में 3.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की बढ़ोतरी की है।

- इससे कर राजस्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है, साथ ही लेन-देन का पता लगाने की क्षमता में कमी आएगी, जो मौजूदा नीति संरचना के दो केंद्रीय लक्ष्यों को असफल करता है।
- VDA टैक्स आर्किटेक्चर के नकारात्मक प्रभाव से पूंजी के बहिर्वाह में और तेज़ी आने एवं अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के निवेश की संभावना कम है।

दुनिया में चलन में मौजूद टॉप क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी	मार्केट वैल्यू	कीमत
बिटक्वाइन	16059	8,771.29
इथेरियम	2475	224.64
रिप्पल	1030	0.234959
बिटक्वाइन कैश	597	324.50
टीथर	439	1.00
बिटक्वाइन एसवी	466	239.12
लाइटक्वाइन	389	60.49
ईओएस	334	3.63
बाइनेंस क्वाइन	309	19.93
तेजोस	198	2.83

- **नोट:** आंकड़े करोड़ डॉलर में। मार्केट वैल्यू का मतलब यह है कि अभी उतनी राशि के बराबरी की वह क्रिप्टोकरेंसी चलन में है। कीमत डॉलर में।

दैनिक भास्कर

राष्ट्रीय अनुशीलन सलाहकार परिषद

समाचार पत्रों में क्यों?

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री 11 मार्च को नई दिल्ली में राष्ट्रीय विरोध सलाहकार परिषद (एनएसएसी) की छठी बैठक की अध्यक्षता की गई।

त्वरित मुद्दा?

- इसे केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) द्वारा बनाया गया था।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- देश में नवोन्मेष और जीव-जंतुओं के पोषण के लिए एक ठोस तंत्र बनाने की जरूरत उपायों पर सरकार को सलाह देना।
- रेखीय इकोसिस्टम के विस्तार में महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करना और खुले भारत पहल के तहत राष्ट्रीय कार्यक्रमों को विकसित करना और पोषण करना में एनएसएसी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

परिषद की संरचना

- **अध्यक्ष**: वाणिज्य और उद्योग मंत्री।
- **पदेन सदस्य**: संबंधित मंत्रालयों/विभागों/संगठनों के नामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव के पद से नीचे के न हों।
- पदेन सदस्यों के अलावा , परिषद में गैर-आधिकारिक सदस्य होते हैं , जो विभिन्न हस्ताक्षर का प्रतिनिधित्व करते हैं ,
- अनुशील इंडिया भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है , जिसका उद्देश्य प्रतिरोधी संस्कृति को प्रेरित करना और भारत में नवाचार और उद्यमिता के लिए एक मजबूत और समावेशी व्यापारिक तंत्र का निर्माण करना है।
- इसे 2016 में लॉन्च किया गया था।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध

समाचार पत्रों में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ व्यापार और निवेश, रक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ व्यापक वार्ता की।

त्वरित मुद्दा?

- ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज 8 से 11 मार्च तक भारत के दौरे पर थे। ऑस्ट्रेलिया में लेबर पार्टी की सरकार बनने के बाद पहली बार पीएम एंथनी भारत आए हैं। एंथनी ने भारत-

ऑस्ट्रेलिया को पार्टनर बताया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और भारत अच्छे दोस्त हैं और हम पार्टनर भी हैं और हम रोज अपने संबंध को और मजबूत कर रहे हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- ऑस्ट्रेलिया और भारत ने सर्वप्रथम स्वतंत्रता से पूर्व राजनयिक संबंध स्थापित किये, जब भारत के वाणिज्य दूतावास को पहली बार वर्ष 1941 में सिडनी में एक व्यापार कार्यालय के रूप में खोला गया था।
- भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध उस समय ऐतिहासिक निम्न स्तर पर पहुँच गए जब ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारत के वर्ष 1998 के परमाणु परीक्षणों की निंदा की थी।
- वर्ष 2014 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ एक यूरेनियम आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किये, जो भारत के "त्रुटिहीन" (Impeccable) अप्रसार रिकॉर्ड को मान्यता देते हुए परमाणु अप्रसार संधि के गैर-हस्ताक्षरकर्त्ता देश के साथ अपनी तरह का पहला समझौता था।
- बहुलवादी, वेस्टमिंस्टर-शैली के लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, राष्ट्रमंडल परंपराओं, आर्थिक संबंधों के विस्तार और उच्च-स्तरीय संवाद में वृद्धि ने भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत किया है।
- मज़बूत, जीवंत, धर्मनिरपेक्ष और बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र, एक स्वतंत्र प्रेस, एक स्वतंत्र न्यायिक प्रणाली तथा अंग्रेज़ी भाषा सहित सामान्य लक्षण, घनिष्ठ सहयोग की नींव के रूप में काम करते हैं।
- भारत उन शीर्ष देशों में से एक है जहाँ से प्रतिभाशाली अप्रवासी ऑस्ट्रेलिया आते हैं। वर्ष 2021 की जनगणना के अनुसार, लगभग 9.76 लाख ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने भारतीय मूल के होने का दावा किया, जिससे वे विदेशों में पैदा हुए निवासियों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गए।
- वर्ष 2020 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी से व्यापक रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित किया।
- वर्ष 2021 में ग्लासगो में COP26 के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी।
  - वर्ष 2022 और 2023 में मंत्रियों द्वारा कई उच्च-स्तरीय बैठकें एवं दौरे किये गए, जिनमें ऑस्ट्रेलिया-भारत वर्चुअल शिखर सम्मेलन और विदेश मंत्रियों की बैठक

अन्य प्रमुख तथ्य?

बहुपक्षीय सहयोग

- दोनों क्वाड, कॉमनवेल्थ, इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA), आसियान क्षेत्रीय फोरम, एशिया पेसिफिक पार्टनरशिप ऑन क्लाइमेट एंड क्लीन डेवलपमेंट के सदस्य हैं और उन्होंने पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लिया है।
- दोनों देश विश्व व्यापार संगठन के संदर्भ में पाँच इच्छुक पार्टियों (FIP) के सदस्यों के रूप में भी सहयोग करते रहे हैं।
- ऑस्ट्रेलिया एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) में एक महत्त्वपूर्ण देश है और संगठन में भारत की सदस्यता का समर्थन करता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

शिक्षा क्षेत्र में सहयोग

- मार्च 2023 में शैक्षिक योग्यता की पारस्परिक मान्यता (MREQ) के लिये सहयोग पर हस्ताक्षर किये गए थे। यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच छात्रों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाएगा।
- डीकिन विश्वविद्यालय और वोलोंगोंग विश्वविद्यालय भारत में परिसर खोलने की योजना बना रहे हैं।
- 1 लाख से अधिक भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्र विदेशी छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बनकर उभरा है।

शामिल है। दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ की गईं जिनमें शामिल हैं:

- कौशल के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने हेतु प्रवासन और गतिशीलता भागीदारी व्यवस्था पर आशय पत्र।
- सितंबर 2021 में 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद हुआ और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री ने जून 2022 में भारत का दौरा किया।
- रक्षा सहयोग बढ़ाने हेतु जून 2020 में वर्चुअल समिट के दौरान म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट एग्रीमेंट (MLSA) पर हस्ताक्षर किये गए थे।

संयुक्त सैन्य अभ्यास:

- अगस्त 2023 में भारत, जापान और अमेरिका की भागीदारी के साथ ऑस्ट्रेलिया "मालाबार" अभ्यास की मेजबानी करेगा।
- भारत को 2023 में तालिस्मान सेबर अभ्यास में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया गया है।

न्यूज़ फटाफट

माधव राष्ट्रीय उद्यान

- माधव राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के शिवपुरी में स्थित है जो उच्च विंध्य प्राणियों का एक हिस्सा है।
- यह मुगल सम्राटों एवं महान के महाराजा का शिकार हुआ था। वर्ष 1958 में राष्ट्रीय उद्यान का स्तर मिला।
- यह उद्यान झीलों, घने एवं घास के मैदानों से युक्त एक विविध तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है।
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दो बाघों को माधव राष्ट्रीय उद्यान के बलारपुर रेंज में बने बाड़ों में छोड़ दिया है।

वैभव फैलोशिप

- केंद्र सरकार ने भारतीय प्रवासी शोधकर्ताओं को देश के उच्च शिक्षण संस्थानों से जोड़ने के लिये वैभव फैलोशिप की शुरुआत है। शीर्ष 500 क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शामिल संस्थानों के शोधकर्ता इस फैलोशिप के लिये पात्र होंगे।
- इसका उद्देश्य विदेशी संस्थानों के शोधकर्ताओं की भारत में गतिशीलता के माध्यम से भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार करना है।
- यह फैलोशिप भारतीय प्रवासी शोधकर्ताओं को भारत में एक शोध संस्थान या शैक्षणिक संस्थान के साथ न्यूनतम एक महीने से लेकर अधिकतम दो महीने तक कार्य करने का अवसर प्रदान करती है।
- इस फैलोशिप की अवधि तीन वर्ष है, जिसमें सरकार शोधकर्ताओं को पूरी अवधि के लिये 37 लाख रुपये तक की राशि की प्रदान करती है।

चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य

- चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य लद्दाख के लेह ज़िले में चांगथांग पठार पर स्थित है।
- यह अभयारण्य पैंगोंग त्सो, त्सो मोरीरी एवं त्सो कार झील तक विस्तारित है। इस अभयारण्य में स्थित कोरज़ोक मठ पर्यटकों के लिये प्रमुख आकर्षण है।
- इसमें दुर्लभ हिम तेंदुआ, काली गर्दन वाले सारस एवं कियांग या जंगली गधा जैसी महत्त्वपूर्ण प्रजातियाँ पाई जाती है।
- वन्यजीव बोर्ड ने इस अभयारण्य में भारतीय वायुसेना के पर्वतीय रडार को स्थापित करने की मंज़ूरी दी है।

मरीना

- मरीना समुद्री पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये विशेष रूप से डिज़ाइन किये गए स्थान या बंदरगाह होते हैं।
- वाणिज्यिक बंदरगाहों के विपरीत इनका उपयोग पर्यटन के दौरान आरामदायक सुविधाएँ प्रदान करने के लिये किया जाता है।
- हाल ही में, कर्नाटक सरकार ने उडुपी ज़िले के बंडूर में देश के पहले मरीना के निर्माण की घोषणा की है।

दोषरहित ऊर्जा संभावना

- अमेरिकी वैज्ञानिकों के अनुसार, उन्होंने व्यावसायिक रूप से पहली सुलभ सामग्री का उत्पादन किया है जो ऊर्जा की क्षति को समाप्त करता है क्योंकि विद्युत एक तार के माध्यम से संचालित की जाती है, जिसका अर्थ है यह अधिक कुशल कंप्यूटर और पावर ग्रिड, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, बेहतर उच्च गति वाली ट्रेनें और अधिक शक्तिशाली परमाणु संलयन रिएक्टर प्रदान कर सकता है।
- उन्होंने एक नया अतिचालक बनाया है जो कमरे के तापमान पर और पहले खोजे गए अतिचालक सामग्री की तुलना में बहुत कम दबाव पर कार्य कर सकता है।
- हाइड्रोजन और नाइट्रोजन के साथ मिलकर ल्यूटियम नामक एक दुर्लभ मृदा धातु 21 डिग्री सेल्सियस और लगभग 10,000 वायुमंडलीय दबाव पर प्रतिरोध के बिना विद्युत का संचालन कर सकती है।
- अतिचालक, एक ऐसी सामग्री है जो बिना किसी क्षति के विद्युत धाराओं का संचालन कर सकती है, को बेहद अव्यावहारिक माना जाता है क्योंकि उन्हें आमतौर पर -195 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा करने और कार्य करने के लिये अत्यधिक दबाव की आवश्यकता होती है।

भारत के सबसे अधिक भूस्खलन-प्रवण ज़िले

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के उपग्रह डेटा के अनुसार, देश में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल सबसे अधिक भूस्खलन-प्रवण ज़िले हैं।
- हाल ही में उत्तराखंड के जोशीमठ का मामला भूस्खलन बड़ी घटनाओं में से एक है। कुछ अन्य उदाहरणों में 2013 में केदारनाथ में आपदा और 2011 में सिक्किम भूकंप के कारण हुए भूस्खलन शामिल हैं।
- वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक आपदाओं में होने वाली मौतों के मामले में भूस्खलन तीसरे स्थान पर है। भारत उन चार प्रमुख देशों में शामिल है जहाँ भूस्खलन का खतरा सबसे अधिक है।

- देश में लगभग 0.42 मिलियन वर्ग किलोमीटर भू-स्खलन संभावित क्षेत्र है, जो देश के कुल भूमि क्षेत्र का 12.6% है।

H3N2 का प्रकोप

- दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 तक पूरे भारत में सर्दी, गले में खराश, बुखार और थकान से संबंधित लक्षणों के साथ साँस की बीमारी का प्रकोप देखा गया है।
- इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) के अनुसार, इन्फ्लुएंज़ा का उपभेद H3N2 बीमारी का सत्यापित कारण रहा है। •यह वायरस अन्य इन्फ्लुएंज़ाउपभेदों की तुलना में अस्पताल में अधिक मरीज़ों के भर्ती होने का कारण बना। टाइप ए, बी, सी और डी मौसमी इन्फ्लुएंज़ा वायरस के चार अलग-अलग उपप्रकार हैं। जब इन्फ्लुएंज़ा ए और बी वायरस फैलते हैं तो उसके परिणामस्वरूप बीमारी का वार्षिक प्रकोप देखने को मिलता है।
- इन्फ्लुएंज़ा वायरस एकमात्र इन्फ्लुएंज़ा वायरस है जो फ्लू महामारी (अर्थात् फ्लू रोग की वैश्विक महामारी) के रूप में पहचाना जाता है।
- WHO ने जून 2009 में H1N1 महामारी की घोषणा की। स्वाइन फ्लू का प्रकोप इसका दूसरा सामान्य रूप है। वर्ष 2009 से पूर्व इन्फ्लुएंज़ा ए (H1N1) वायरस H1N1 महामारी का कोई भी मानवीय संक्रमण नहीं था। आनुवंशिक अध्ययनों के अनुसार, यह इन्फ्लुएंज़ा वायरस पशुओं के माध्यम से फैलता है जो मौसमी वायरस H1N1 वायरस से संबंधित नहीं है।
- हालाँकि भारत में वर्ष 2013 में एक महत्त्वपूर्ण स्वाइन फ्लू नामक महामारी की पहचान की गई।

INS त्रिकंद

- INS त्रिकंद 26 फरवरी से 16 मार्च 2023 तक खाड़ी क्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अभ्यास- Cutlass Express 2023 (IMX/CE-23) में भाग ले रहा है।
- यह अभ्यास समुद्री सुरक्षा बढ़ाने, समुद्री वाणिज्य के लिये क्षेत्र में समुद्री लेन को सुरक्षित रखने के साझे उद्देश्य के साथ 50 से अधिक देशों और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री एजेंसियों के प्रतिभागियों के साथ आयोजित किया जाएगा।
- IMX/CE-23 विश्व के सबसे बड़े बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यासों में से एक है। हालाँकि यह भारतीय नौसेना की पहली IMX भागीदारी है, यह दूसरा अवसर भी है जहाँ एक भारतीय नौसेना जहाज़ संयुक्त समुद्री बलों (CMF) द्वारा आयोजित अभ्यास में भाग ले रहा है।
- INS त्रिकंद ने 22 नवंबर को उत्तर-पश्चिमी अरब सागर में CMF के नेतृत्त्व वाले ऑपरेशन सी स्वॉर्ड 2 में हिस्सा लिया था।